कार्यालय विभागाध्यक्ष
शरीर रचना विज्ञान विभाग
छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन नं. 07752–236100

"शरीर दान सर्वश्रेष्ठ दान"

चिकित्सा महाविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा के प्रायोगिक अध्ययन हेतु सम्पूर्ण मानव शरीर दान में लिया जाता है, जिसके लिये कुछ खास बिंदुओं पर ध्यान रखना आवश्यक है –

सर्वश्रेष्ठ देह–दान की घोषणा के पश्चात भी यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि दान की गई Body Medicolegal Case के दायरे में न आती हो अर्थात मृत्यु किसी संदेह के दायरे में न हो अथवा दुर्घटनावश न हो। जिसके लिये स्थानीय पुलिस का No Objection Certificate अनिवार्य है तथा पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी किया गया मृत्यु प्रमाण पत्र (Death Certificate) भी घोषणा पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

<u>उपयोगिता –</u>

- सम्पूर्ण शरीर को केमीकल्स में संरक्षित कर एनाटॉमी विभाग के स्टोरेज टेंक में रखा जाता है।
- शरीर के विभिन्न अंगो का डिसेक्शन कर अंग प्रत्यंग का अध्ययन किया जाता है तथा कई हिस्सों के म्यूजियम स्पेसीमेन बनाये जाते हैं। म्यूजियम में वर्तमान में 200 से अधिक शरीर के अंगो के स्पेसीमेन बनाकर संरक्षित किये जा चुके हैं, जो कि हर चिकित्सा महाविद्यालय की अनिवार्यता होती है।
- डिसेक्शन पूर्ण होने के पश्चात जो हड्डियॉ (Bones) शेष बच जाती हैं उन्हे सुखाकर, साफकर संरक्षित किया जाता है, जिसके अध्ययन को Osteology कहते हैं। अस्थियों व कंकाल (Skeleton) का अध्ययन Basic Science में अतिमहत्वपूर्ण है।
- एनाटॉमी विषय की उपयोगिता इस कारण भी अधिक है क्योंकि न सिर्फ मेडिकल अपितु डेंटल, आयुर्वेद, होम्योपैथी, पैरामेडिकल, नर्सिंग में भी इसका अध्ययन आवश्यक तौर पर किया जाता है। इतना ही नहीं मानव संरचना का ज्ञान अतिआवश्यक है जिसके व्यावहारिक उपयोग हेतु, ईश्वर की इस सर्वश्रेष्ठ कृति शरीर रचना का सम्पूर्ण ज्ञान देने में सहभागी बनें।

"दधिचि के बने अनुगामी, शरीर दान में भरें हामी"